[न रिश्वत लेंगे, न रिश्वत देंगे] मुंबई, शुक्रवार, 12 दिसंबर 2025 । मूल्य 0.00, कुल पृष्ठ 4 [वर्ष: 12, डिजिटल अंक: 105, प्रधान संपादक : पवन जैन पदमावत] +91-9594542679 www.padmavatmedia.in padmavatmedia@gmail.com

अनमोल वचन

वृक्ष अपने सिर पर गरमी सहता है पर अपनी, छाया में दूसरों का ताप दूर करता है।

- तुलसीदास

दैनिक हिन्दी राष्ट्रीय डिजिटल समाचार पत्र

पदमावत मीडिया

Reg. No. MH180326353

डिजिटल संस्करण महाराष्ट्र व राजस्थान से प्रकाशित

प्रवासी राजस्थानी दिवस 03

04 ईडी ने 117.41 करोड़ रुपये की ...

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

सुझाव, शिकायत और समाचारों का स्वागत समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए सप्रमाण समाचारों का स्वागत है। आप सुझाव या शिकायत भी भेज सकते हैं। संपर्क/व्हाट्सएप 95945-42679 विज्ञापन देने या अखबार प्राप्त करने के लिए संपर्क

95945-42679

प्रधान सम्पादक

राज्यपाल ने जयपुर टाइगर फेस्टिवल का किया शुभारंभ

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि बाघों के कारण ही जंगल संरक्षित रह पाते हैं और पारिस्थितिकी संतुलन बना रहता है। उन्होंने जल, जंगल और जमीन को बचाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता बताते हुए वन्यजीव संरक्षण को पृथ्वी के भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय बताया। राज्यपाल गुरुवार को जवाहर कला केंद्र में जयपुर टाइगर फेस्टिवल के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान वीरों की धरती होने के साथ ही प्रकृति संरक्षण की पुरातन परंपराओं वाला प्रदेश है। उन्होंने उल्लेख किया कि बाप्पा रावल की वीरता और ऐतिहासिक योगदान आज भी मेवाड़ की सांस्कृतिक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा है। राज्यपाल ने उत्सव में आयोजित फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा वन एवं वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले विशिष्टजनों को सम्मानित किया।

बाघ अभयारण्यों से ही जंगल सुरक्षित, जल-जंगल-जमीन बचाने के सामूहिक प्रयासों पर जोर

उन्होंने कहा कि बाघ अंब्रेला स्पीशीज है– अर्थात बाघ सुरक्षित रहेगा तो जंगल, जंगली जीव और संपूर्ण पर्यावरण सुरक्षित रहेगा। बढ़ती मानव आबादी के कारण बाघों के प्राकृतिक आवास लगातार संकुचित हो रहे हैं, ऐसे में संरक्षण जागरूकता को और व्यापक बनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि देश में बाघ अभयारण्यों के विकास ने ही जंगलों को बचाए रखा है।

राज्यपाल बागडे ने बताया कि विश्व के 75 प्रतिशत बाघ भारत में पाए जाते हैं, जो गर्व का विषय है। राजस्थान में रणथंभौर, मुकुंदरा और सरिस्का टाइगर रिजर्व उत्कृष्ट श्रेणी में गिने जाते हैं। प्रदेश में कुल 160 बाघ हैं, जिनमें 144 जंगली तथा 16 कैप्टिविटी में हैं। अकेले रणथंभौर में 71 बाघों की उपस्थिति राजस्थान की समृद्ध वन संपदा का परिचायक है।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ जल, मिट्टी की उर्वरता, जैव विविधता तथा पर्यावरण संरक्षण बाघों की आबादी पर प्रत्यक्ष रूप से निर्भर करते हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पर्यटन का विकास इस प्रकार होना चाहिए कि वन्य जीवों को किसी भी प्रकार की क्षति न पहुंचे।

राज्यपाल ने प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण के लिए जन चेतना बढ़ाने तथा बाघों के संरक्षण को जन आंदोलन का रूप देने का आह्वान किया।

मुंबई के हेरिटेज इलाके का हो रहा कायापलट

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

मुंबई। दक्षिण मुंबई का ऐतिहासिक काला घोड़ा इलाका तेजी से एक नए रूप में उभर रहा है। डॉ. वी. बी. गांधी मार्ग, रदरफोर्ड मार्ग और बी. भुरूचा मार्ग पर चल रहा सौंदर्यीकरण कार्य अब अंतिम चरण में है। गुरुवार सुबह बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के कमिश्नर भूषण गगरानी ने स्थल का दौरा कर कार्य प्रगति का जायजा लिया। उनके साथ महाराष्ट्र राज्य वित्त आयोग के पूर्व मुख्य सचिव और चेयरमैन नितिन करिअर भी मौजूद रहे। बीएमसी की यह पहल दक्षिण मुंबई में चल रही कई शहरी सुधार परियोजनाओं का प्रमुख हिस्सा है। इस मौके पर ई वार्ड के सहायक आयुक्त जयदीप मोरे सहित नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी भी निरीक्षण दल में शामिल रहे। टीम ने उन्नत क्षेत्रों का दौरा किया, फिनिशिंग कार्यों की गुणवत्ता परखी और यह सुनिश्चित किया कि निर्माण निर्धारित डिजाइन और सार्वजनिक सुविधा मानकों के अनुरूप हो।

काला घोड़ा क्षेत्र में सौंदर्यीकरण कार्य अंतिम चरण में, पर्यटकों के लिए जल्द खुलेगा मार्ग-स्थानीय व्यवसायों को भी मिलेगा लाभ

सांस्कृतिक केंद्र के आकर्षण को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम

काला घोड़ा लंबे समय से मुंबई का प्रमुख सांस्कृतिक केंद्र रहा है–अपनी आर्ट गैलरी, हेरिटेज वास्तुकला और हर वर्ष आयोजित होने वाले कला उत्सव के लिए प्रसिद्ध। सौंदर्यीकरण परियोजना का मुख्य उद्देश्य पैदल मार्गों, बैठने की जगहों, प्रकाश व्यवस्था, लैंडस्केपिंग और सार्वजनिक सुविधा को बेहतर बनाकर पर्यटकों और स्थानीय निवासियों के अनुभव को और समृद्ध करना है। नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार, सौंदर्यीकरण पूर्ण होने के बाद यह क्षेत्र विरासत और आधुनिक डिजाइन का अद्भुत संगम प्रस्तुत करेगा। इससे पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने की उम्मीद है, जिसके सीधे लाभ स्थानीय दुकानों, कैफे और अन्य व्यवसायों तक पहुँचेंगे। हेरिटेज पर्यटन को भी नया प्रोत्साहन मिलेगा।

500 मीटर क्षेत्र में 3,443 वर्ग मीटर हिस्से का कायापलट

परियोजना के पहले चरण में कुल 500 मीटर सड़क खंड पर 3,443 वर्ग मीटर क्षेत्र का सौंदर्यीकरण किया गया है। इसमें सड़क किनारों का पुनः डिजाइन, पैदल यात्रियों की सुरक्षा में सुधार तथा क्षेत्र के ऐतिहासिक चरित्र को प्रतिबिंबित करने वाली दृश्यात्मक एकरूपता पर विशेष ध्यान दिया गया है। काम लगभग पूरा हो चुका है और जल्द ही अपग्रेड किया गया यह स्ट्रीटस्केप जनता के लिए खोल दिया जाएगा। यह सौंदर्यीकरण न केवल काला घोड़ा की पहचान को नया आयाम देगा, बल्कि मुंबई के व्यापक शहरी नवीनीकरण प्रयासों का एक और महत्वपूर्ण पड़ाव माना जाएगा।

जिला कलेक्टर ने किया सड़क सुरक्षा अभियान 2025 का शुभारंभ

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

प्रतापगढ़। शासन सचिव, परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग के निदेर्शानुसार जिले में 11 दिसंबर से 25 दिसंबर 2025 तक ह्लसड़क सुरक्षा अभियानह्व आयोजित किया जा रहा है। अभियान की अवधि में प्रतिदिन की कार्ययोजना तैयार कर पुलिस, परिवहन विभाग, प्राइवेट बस एसोसिएशन, लायन्स क्लब, शिक्षा विभाग, पशु चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विभाग, प्रतापगढ़ सड़क सुरक्षा समिति तथा अन्य हितधारक विभागों की सहभागिता से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

गुरुवार को शहर के गांधी सर्कल पर जिला कलेक्टर डॉ अंजलि राजोरिया ने आमजन को फूल भेंट कर ट्रैफिक नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित करते हुए सड़क सुरक्षा अभियान 2025 का शुभारंभ किया। इसके बाद परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग प्रतापगढ़ तथा यातायात पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से ट्रैफिक नियमों के पालन को प्रोत्साहित करने की गतिविधियां आयोजित की गईं।

अभियान के पहले दिन परिवहन निरीक्षक दुगार्शंकर जाट, पुलिस कोतवाली से दीपक बंजारा, यातायात पुलिस से दिनेश मेनारिया, परिवहन विभाग से विजय कुमार मीणा और योजना मीणा ने गांधी चौराहे पर आमजन को फूल देकर जागरूक किया तथा हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। हेलमेट व सीट बेल्ट धारकों को सम्मानित भी किया गया। साथ ही राजकीय कार्यालयों में आने वाले आगंतुकों को नो हेलमेट/सीट बेल्ट - नो एंट्री- के संदेश से अवगत करवाया गया।

खबर संक्षेप

राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी जिला चिकित्सालय सलूंबर की बैठक आयोजित

सलूंबर @ पदमावत मीडिया। राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी (आरएमआरएस) राजकीय जिला चिकित्सालय सलूंबर की बैठक जिला

कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें आरएमआरएस के सभी सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में अस्पताल की मूलभूत सुविधाओं को और अधिक बेहतर बनाने हेतु विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा की गई। बैठक में 108 एवं 104 एम्बुलेंस सेवाओं की लोकेशन जिला चिकित्सालय सलूंबर में निर्धारित करने के निर्देश जारी किए गए, ताकि आपात स्थितियों में त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध करवाई जा सके। साथ ही ओपीडी रजिस्ट्रेशन शत-प्रतिशत अभा आईडी के माध्यम से करने के निर्देश दिए गए, जिससे मरीजों के पंजीकरण एवं उपचार संबंधी प्रक्रियाएँ अधिक सुगम और व्यवस्थित हो सकें। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के सफल संचालन के लिए नागरिकों को जन आधार कार्ड साथ लाने के संबंध में व्यापक जानकारी और प्रचार-प्रसार करने के भी निर्देश दिए गए, ताकि अधिक से अधिक लोग इस योजना का लाभ उठा सकें। बैठक में लिए गए निर्णयों का उद्देश्य जिला चिकित्सालय की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाना है।

राज्यपाल से राज्य सूचना आयुक्त सुनील शर्मा की शिष्टाचार भेंट

जयपुर @ पदमावत मीडिया। नव नियुक्त राज्य सूचना आयुक्त सुनील शर्मा ने गुरुवार को लोक भवन पहुंचकर राज्यपाल

हरिभाऊ बागडे से शिष्टाचार मुलाकात की। सूचना आयुक्त पद ग्रहण करने के बाद राज्यपाल से उनकी यह पहली भेंट रही। इस दौरान दोनों के बीच विभिन्न प्रशासनिक एवं जनसूचना से संबंधित विषयों पर सौहार्दपूर्ण संवाद हुआ। राज्यपाल ने सुनील शर्मा को उनके नए दायित्वों के निर्वहन हेतु शुभकामनाएं दीं और आशा व्यक्त की कि उनके मार्गदर्शन में राज्य में सूचना अधिकार से जुड़े कार्यों को और अधिक पारदर्शिता एवं प्रभावशीलता प्राप्त होगी।

26 दिसंबर तक आयोजित होगा सड़क सुरक्षा पखवाड़ा

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। राजस्थान सरकार के निदेर्शानुसार परिवहन विभाग, जिला प्रशासन तथा आधार फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में जिले में सड़क सुरक्षा पखवाड़ा 11 दिसंबर से आरंभ हो गया है, जो 26 दिसंबर तक चलेगा। प्रादेशिक परिवहन अधिकारी ज्ञान देव विश्वकर्मा ने बताया कि इस 15 दिवसीय अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाना है। पखवाड़े के दौरान बच्चों, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, ऑटो व टैक्सी चालकों, स्कूल वैन/बस संचालकों तथा आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा नियमों की महत्ता समझाई जाएगी।

अभियान के प्रमुख कार्यक्रम

पंद्रह दिवसीय सड़क सुरक्षा पखवाड़े के दौरान विभिन्न श्रेणियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। स्कूलों में बच्चों को सड़क सुरक्षा, सुरक्षित पैदल मार्ग, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्राथमिक उपचार का प्रदर्शन, महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों हेतु विशेष कार्यशालाएं, ऑटो, टैक्सी एवं अन्य चालक वर्ग के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा सड़क सुरक्षा से संबंधित जागरूकता गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी।

सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति आमजन को विभिन्न कार्यक्रमों से किया जाएगा जागरूक

सड़क सुरक्षा पखवाड़े का उद्देश्य जनभागीदारी के माध्यम से सुरक्षित यातायात संस्कृति विकसित करना और जिले में सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करना है।

आशीष मोदी ने दिए शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

जयपुर @ पदमावत मीडिया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता निदेशक आशीष मोदी ने राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर विभाग से संबंधित प्राप्त होने वाले प्रकरणों की समीक्षा बैठक की और पोर्टल पर आने वाली शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। मोदी ने मुख्यालय अंबेडकर भवन के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित बैठक में कहा कि विभाग संपर्क पोर्टल के माध्यम से संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेहिता के साथ परिवेदना के समयबद्ध निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अधिकारीगण पोर्टल पर आने वाली किसी भी शिकायत या परिवेदना के निस्तारण में पूर्ण संवेदनशीलता दिखाए और प्राथमिकता के साथ उसे निस्तारित करवाए।

मुंबई एयरपोर्ट कस्टम्स की बड़ी कार्रवाई

बैंकॉक से आए 5 यात्रियों से 42.89 किलो हाइड्रोपोनिक वीड जब्त, कीमत 42.89 करोड़

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

मुंबई। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (CSMIA) पर मुंबई एयरपोर्ट कस्टम्स ने दो दिनों की कार्रवाई में बैंकॉक से आए पाँच यात्रियों से कुल 42.89 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड जब्त की है। बरामद की गई प्रतिबंधित मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत ?42.89 करोड़ बताई गई है।

तीन यात्रियों से 33.88 किलो हाइड्रोपोनिक वीड बरामद

कस्टम्स अधिकारियों के अनुसार, प्रोफाइलिंग के आधार पर तीन अलग-अलग मामलों में बैंकॉक से आए तीन यात्रियों से कुल 33.88 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड जब्त की गई। इसकी कीमत लगभग ?33.88 करोड़ बताई गई है। तीनों यात्रियों को एनडीपीएस (NDPS) एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया।

दो यात्रियों से 9.01 किलो हाइड्रोपोनिक वीड की जब्ती

विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर की गई एक अन्य कार्रवाई में दो यात्रियों से 9.01 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड बरामद की गई, जिसकी कीमत

अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग 9.01 करोड़ है। दोनों यात्रियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

10–11 दिसंबर की रात में दर्ज किए गए कुल 4 केस

मुंबई कस्टम्स जोनझ्रक्कक्क के अधिकारियों ने 10झ्11 दिसंबर की रात को कुल चार हवाई अड्डा मामलों में कार्रवाई की। बैंकॉक से आने वाले यात्रियों की प्रोफाइलिंग और खुफिया इनपुट के आधार पर लगातार ऑपरेशन चलाया गया, जिसके परिणामस्वरूप भारी मात्रा में मादक पदार्थ की बरामदगी हुई। कस्टम्स अधिकारियों ने कहा कि एनडीपीएस एक्ट के तहत आगे की जांच जारी है और अंतरराष्ट्रीय ड्रग ट्रैफिकिंग नेटवर्क से जुड़े संभावित संपर्कों की भी पड़ताल की जा रही है।

रिश्तों में संवाद की कमी, परिवारों में घटती आत्मीयता, और समाज में बढ़ती आत्मकेंद्रित प्रवृत्ति चिंताजनक

बदलते समय में संवेदनशीलता का क्षरण

आज का समाज जितनी तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है, उतनी ही तेजी से संवेदनशीलता कम होती जा रही है। डिजिटल युग ने दुनिया को भले ही एक क्लिक की दूरी पर ला दिया हो, लेकिन दिलों के बीच की दूरी बढ़ती दिख रही है। रिश्तों में संवाद की कमी, परिवारों में घटती आत्मीयता, और समाज में बढ़ती आत्मकेंद्रित प्रवृत्ति चिंताजनक है। सुविधाओं की भरमार ने इंसान को भले ही आधुनिक बना दिया हो, लेकिन उसके भीतर की मानवीयता और करुणा कहीं खोती जा रही है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि युवा पीढ़ी भावनाओं से अधिक स्क्रीन को प्राथमिकता देने लगी है। जहाँ मानवीय अनुभव नहीं, बल्कि कृत्रिम प्रतिक्रियाएँ मिलती हैं। संवेदनहीनता का यह विस्तार केवल घरों तक सीमित नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन, कार्यस्थलों और शिक्षा के क्षेत्र तक फैल चुका है। दुर्घटनाओं में घायल पड़े लोगों की अनदेखी, सोशल मीडिया पर नफरत भरे संदेश, और छोटे-छोटे मुद्दों पर हिंसक प्रतिक्रिया ये सब बताते हैं कि हम किस ओर बढ़ रहे हैं। समाज तब ही संतुलित रहता है जब उसमें संवेदना और सहयोग की भावना जीवित रहे। यदि ये मूल्य कमजोर पड़ते जाएँ, तो विकास कितने ही ऊँचे स्तर पर पहुँच जाए, पर समाज भीतर से hollow ही रह जाएगा।

इसलिए आज आवश्यकता है पुनः मानवीय मूल्यों को केंद्र में लाने की। बच्चों को छोटे से ही सहानुभूति, सहयोग और सम्मान का पाठ पढ़ाना होगा। युवाओं को यह समझाना होगा कि सफलता केवल उपलब्धियों से नहीं, बल्कि दूसरों के प्रति संवेदना से भी मापी जाती है। परिवारों में संवाद बढ़े, समाज में विश्वास लौटे, और इंसान फिर इंसान को इंसान समझने लगे यही समय की सबसे बड़ी मांग है।

पवन जैन पदमावत
प्रधान सम्पादक
पदमावत मीडिया
@padmavatmedia.in

> सबसे बड़ी चिंता यह है कि युवा पीढ़ी भावनाओं से अधिक स्क्रीन को प्राथमिकता देने लगी है। जहाँ मानवीय अनुभव नहीं, बल्कि कृत्रिम प्रतिक्रियाएँ मिलती हैं। संवेदनहीनता का यह विस्तार केवल घरों तक सीमित नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन, कार्यस्थलों और शिक्षा के क्षेत्र तक फैल चुका है।

प्रदेश में अवैध मदिरा पर सख्त कार्रवाई, हजारों लीटर वॉश नष्ट

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। आबकारी आयुक्त शिवप्रसाद नकाते के निदेर्शानुसार प्रदेश में अवैध मदिरा निर्माण, भंडारण, परिवहन और विक्रय पर रोकथाम के लिए संचालित विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत लगातार नाकाबंदी, गश्त और रेड की प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। अभियान के दौरान विभिन्न जिलों में अवैध शराब के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में वॉश एवं कच्ची भट्टियों को नष्ट किया गया। अतिरिक्त आबकारी आयुक्त प्रशासन ओपी जैन एवं अतिरिक्त आबकारी आयुक्त पॉलिसी प्रदीप सिंह सांगावत के सुपरविजन में जीरो टोलरेंस की नीति अपनाते हुए तस्करी, अवैध परिवहन और विक्रय से जुड़े तत्वों पर कार्रवाई तेज की गई है। इसी क्रम में जयपुर में आबकारी थाना चाकसू क्षेत्र के देवगांव, त्रिलोकपुरा, लिसाड़िया, बस्सीगढ़ और वाडियों की ढाणी में कार्रवाई करते हुए 2 हजार लीटर वॉश तथा 4 कच्ची भट्टियां नष्ट की गईं। अनूपगढ़ में 100 लीटर वॉश के साथ 28 लीटर अवैध हथकड़ शराब बरामद की गई। श्रीगंगानगर में 400 लीटर वॉश जब्त कर एक कच्ची भट्टी नष्ट की गई। हनुमानगढ़ के मक्काशार में दबिश के दौरान 2500 लीटर वॉश एवं 4 भट्टियां नष्ट की गईं।

प्रदेश के अन्य जिलों में भी निरोधात्मक अभियान के तहत नाकाबंदी, दबिश एवं सघन गश्त जारी है। आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है, ताकि प्रदेश में अवैध शराब निर्माण एवं तस्करी पर पूर्ण रूप से नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

खबर संक्षेप

जिला परिषद बोर्ड का 5 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण, साझा किए अनुभव

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। जिला परिषद के बोर्ड का पांच वर्ष का सफलतापूर्वक कार्यकाल पूर्ण होने पर जिला प्रमुख ममता कुंवर पंवार की ओर से होटल पेराडाइज, शुभागपुरा में स्नेहभोज कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बोर्ड के सभी सदस्य, जिला परिषद का स्टाफ तथा पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

निजी सहायक राकेश मीणा ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान भाजपा देहात जिलाध्यक्ष एवं उप जिला प्रमुख पुष्कर तेली ने अपने संबोधन में कहा कि जिला परिषद बोर्ड ने पिछले पांच वर्षों में बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के कार्य करते हुए केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुँचाया। सभी सदस्यों के सहयोग से विकास कार्य समयबद्ध और पारदर्शी रूप से सम्पन्न हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला प्रमुख ममता कुंवर पंवार ने कहा कि कार्यकाल के दौरान जिले की लगभग सभी ग्राम पंचायतों में सदस्यों की सहमति एवं अनुशंसा को ध्यान में रखते हुए कार्य स्वीकृत किए गए, जिससे ग्रामीण जनता को राहत मिली। उन्होंने कहा कि सफल पांच वर्षीय कार्यकाल में सभी सदस्यों, जिला परिषद अधिकारियों, कर्मचारियों तथा पार्टी पदाधिकारियों का सहयोग एवं मार्गदर्शन मिला, जिसके लिए उन्होंने सभी का आभार व्यक्त किया। स्नेहभोज कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रमोद सामर, शहर जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़, पूर्व देहात जिलाध्यक्ष चंद्रगुप्त सिंह चौहान, तख्त सिंह शक्तावत, भंवर सिंह पंवार, पूर्व जिला प्रमुख शांतिलाल मेघवाल, देहात महामंत्री कन्हैयालाल मीणा, ललित सिंह सिसोदिया, शहर महामंत्री देवीलाल सालवी, पंकज बोराणा सहित जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिया डाबी, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी वीरमा राम, अतिरिक्त विकास अधिकारी राजेंद्र शर्मा, सभी जिला परिषद सदस्य और स्टाफ मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन मुकेश चौबिसा ने किया।

मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

जयपुर @ पदमावत मीडिया। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जयपुर की एसआईयू इकाई ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए भीमराव अंबेडकर गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज सिरोही के प्रिंसिपल श्रवण मीना को 50,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी को शिकायत प्राप्त हुई थी कि परिवादी, जो कॉलेज हॉस्टल मेस का ठेकेदार है, उसके बिल पास करने और कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू करने के बदले आरोपी द्वारा 50,000 रुपये रिश्वत की मांग की जा रही थी। शिकायत पर उप महानिरीक्षक पुलिस अनिल कयाल के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप सारस्वत के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई की गई, जिसमें आरोपी श्रवण मीना को रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ जारी है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच की जाएगी।

उर्वरक वितरण पर राज्य स्तरीय बैठक आयोजित

रबी सीजन में किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध कराए जाएं - मुख्य सचिव

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में 27 नवंबर को हुई उर्वरक समीक्षा बैठक के निदेर्शों की अनुपालना में गुरुवार को राज्य स्तरीय फर्टिलाइजर डिस्ट्रीब्यूशन रेगुलेट्री टास्क फोर्स की बैठक मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शासन सचिवालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में रबी सीजन के दौरान उर्वरकों की मांग, उपलब्धता एवं वितरण की स्थिति की समीक्षा की गई।

मुख्य सचिव ने कहा कि रबी सीजन में यूरिया की मांग अधिक रहती है, ऐसे में सभी उर्वरक कंपनियां मांग और आपूर्ति पर विशेष ध्यान रखते हुए समय पर यूरिया उपलब्ध कराएं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष अप्रत्याशित वर्षा के कारण रबी की बुवाई 11 लाख हेक्टेयर अधिक हुई है, जिससे उर्वरक मांग में वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने विभागों के बीच समन्वय को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक समय पर उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने अनुदानित यूरिया के गैर-कृषि उपयोग पर पूर्णतया रोक लगाने, कालाबाजारी एवं अवैध भंडारण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा सीमावर्ती जिलों में स्थापित चैकपोस्टों पर राज्य से बाहर डाइवर्जन रोकने हेतु सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में दर्ज किए गए 87 एफआईआर मामलों में अनुसंधान पूरा कर शीघ्र चालान पेश करने के लिए पुलिस विभाग को निर्देशित किया गया है।

राज्य में यूरिया की उपलब्धता पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण

कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की प्रमुख शासन सचिव मंजु राजपाल ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जानकारी दी कि अक्टूबर से दिसंबर तक राज्य को 11.35 लाख मैट्रिक टन यूरिया आवंटित किया गया था, जबकि राज्य में वर्तमान उपलब्धता 11.48 लाख मैट्रिक टन है। वर्तमान में 1.57 लाख मैट्रिक टन यूरिया स्टॉक में है। दिसंबर माह के लिए 3.80 लाख मैट्रिक टन आवंटन में से 1.75 लाख मैट्रिक टन की आपूर्ति हो चुकी है और शेष आपूर्ति निरंतर जारी है।

उन्होंने बताया कि 7 दिसंबर से 14 दिसंबर तक आवंटित 50 रैक यूरिया में से 18 रैक परिवहन में हैं, जिनसे आगामी 2झ्र3 दिनों में 0.48 लाख मैट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति हो जाएगी। इस सप्ताह के शेष दिनों में लगभग 30 रैक और आने की संभावना है, जिससे करीब 0.81 लाख मैट्रिक टन अतिरिक्त यूरिया उपलब्ध होगा।

कड़ी निगरानी एवं बड़ी मात्रा में जब्ती कार्रवाई

सीमावर्ती क्षेत्रों में डाइवर्जन रोकने के लिए 61 चैकपोस्ट स्थापित किए गए हैं। प्रदेश भर में 744 उर्वरक निरीक्षक जमाखोरी, कालाबाजारी, अवैध भंडारण एवं अनुदानित उर्वरकों के गैर-कृषि उपयोग पर निगरानी रखते हुए कार्रवाई कर रहे हैं। प्रत्येक जिले में नियंत्रण कक्ष स्थापित कर शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। वर्ष 2025-26 में अवैध भंडारण, डाइवर्जन और कालाबाजारी के 87 मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है। अप्रैल में 453 मैट्रिक टन, जून में 16.5 मैट्रिक टन तथा नवंबर में सांचौर, कोटपूतली-बहरोड़ और मावली (उदयपुर) में हजारों बैग यूरिया व अन्य उर्वरकों की जब्ती की कार्रवाई की गई है।

नए रैक प्वाइंटों की आवश्यकता

आयुक्त कृषि चिन्मयी गोपाल ने बताया कि कनकपुरा रैक प्वाइंट से 8झ्र10 जिलों में उर्वरकों की आपूर्ति होती है। यह प्वाइंट शहर के मध्य होने से आपूर्ति प्रभावित होती है, इसलिए निन्दड़-बैनाड़ (जयपुर), झुंझुनूं तथा महुवा-मंडावर (दौसा) में नए रैक प्वाइंट स्थापित किए जाने की आवश्यकता है।

बैठक में आईजी गृह दीपक कुमार, डीआईजी कानून एवं व्यवस्था अशरद अली, राजफेड के प्रबंध निदेशक बचनेश अग्रवाल, अतिरिक्त निदेशक कृषि (आदान) गोपाल लाल जाट सहित सभी प्रमुख उर्वरक कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सांसद चुन्नीलाल गरासिया ने राज्यसभा में उठाई मांग

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया ने बुधवार को सदन की कार्यवाही के दौरान बड़ी सादड़ी से मावली आ रही ब्रॉडगेज रेलवे लाइन का विस्तृत सर्वे कर उसे देबारी रेलवे स्टेशन तक जोड़ने की मांग रखी। उन्होंने बताया कि इस महत्वपूर्ण रेलवे मार्ग का विस्तार होने से मेवाड़ क्षेत्र के लाखों यात्रियों और पर्यटकों को बेहतर व सुगम रेल सुविधा उपलब्ध होगी। सांसद गरासिया ने कहा कि मेवाड़ क्षेत्र–चित्तौड़गढ़, उदयपुर, नाथद्वारा, रणकपुर–हर वर्ष हजारों पर्यटकों का केंद्र रहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उदयपुर में रेलवे विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं, जिनका लाभ क्षेत्रवासियों को मिला है। उन्होंने सदन को अवगत कराया कि पिछले वर्ष बड़ी सादड़ी-मावली-उदयपुर रेलमार्ग के सभी स्टेशनों पर यात्रियों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे यह स्पष्ट है कि यह रेल मार्ग आमजन की जीवनरेखा बन चुका है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भविष्य में यह ब्रॉडगेज लाइन मध्यप्रदेश के नीमच तक जुड़ेगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में बड़ी सादड़ी से मावली होकर उदयपुर तक ट्रेन का सफर लगभग 124 किलोमीटर का होता है, और मावली में पावर चेंज के कारण अतिरिक्त समय भी लगता है। भविष्य में नीमच से आने वाली ट्रेनों को भी मावली, खेमली, भीमल होते हुए देबारी पहुँचना होगा, जिससे यात्रा समय और अधिक बढ़ सकता है। गरासिया ने सरकार से मांग की कि संभावित समस्याओं के समाधान और यात्रियों को अधिक सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से बड़ी सादड़ी-मावली के मध्य भटेवर-खेरोदा ओवरब्रिज से दरोल-डबोक होते हुए देबारी स्टेशन तक नई ब्रॉडगेज लाइन का सर्वे कराया जाए और इस नई लाइन को शीघ्र बिछाया जाए। इससे यात्रियों को सुगम, त्वरित और बेहतर रेल सेवा का लाभ मिल सकेगा। सांसद की यह मांग मेवाड़ क्षेत्र में रेलवे विकास को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सुझाव माना जा रहा है।

बिटुमेन घोटाला मामला: CBI अदालत पटना का फैसला

पूर्व कार्यपालक अभियंता और ट्रांसपोर्टर दोषी करार, सजा सुनाई

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

पटना। सीबीआई अदालत पटना ने गुरुवार, 11 दिसंबर 2025 को बहुचर्चित बिटुमेन घोटाला मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए तत्कालीन कार्यपालक अभियंता (रोड कंस्ट्रक्शन डिवीजन, बिहारशरीफ) बैकुंठ नाथ शर्मा को 1 वर्ष के कठोर कारावास और 35,000 रुपये के जुमार्ने की सजा सुनाई है। वहीं निजी व्यक्ति एवं ट्रांसपोर्टर सुरेश कुमार गुप्ता को 3 वर्ष के कठोर कारावास तथा 1.5 लाख रुपये के जुमार्ने से दंडित किया गया है। यह मामला मूल रूप से थाना बांका, बिहार में एफआईआर संख्या 289/96 के तहत दर्ज किया गया था, जिसे बाद में 20 फरवरी 1997 को पटना उच्च न्यायालय के आदेशानुसार सीबीआई ने अपने हाथ में लिया। आरोप था कि कोलकाता स्थित तिरुपति ट्रांसपोर्ट एजेंसी को बल्क बिटुमेन परिवहन का कार्य सौंपा गया था, लेकिन परिवहनकर्ता ने आपूर्ति आदेश के अनुरूप बिटुमेन की वास्तविक मात्रा से कम सप्लाई करके 287.625 मीट्रिक टन बिटुमेन का गबन किया। इस गबन की कुल कीमत लगभग 14.38 लाख रुपये थी।

चार्जशीट और अभियुक्त

सीबीआई ने जांच पूरी करने के बाद 7 फरवरी 2002 को चार लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी– सुरेश कुमार गुप्ता (ट्रांसपोर्टर), बैकुंठ नाथ शर्मा, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता (RCD), बाल्मीकि चौधरी, जूनियर इंजीनियर (सन्हौला ब्लॉक, भागलपुर), रघुनंदन सिंह, सहायक अभियंता/एसडीओ (सड़क निर्माण विभाग, बिहार)। ट्रायल के दौरान अभियुक्त बाल्मीकि चौधरी और रघुनंदन सिंह का निधन हो गया।

अदालत का निर्णय

सभी साक्ष्यों और गवाही के आधार पर अदालत ने दो जीवित अभियुक्तों–बैकुंठ नाथ शर्मा और सुरेश कुमार गुप्ता–को दोषी ठहराते हुए उन्हें सजा सुनाई। अदालत का यह फैसला राज्य निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

डिजिटल अपराधों पर CBI का बड़ा प्रहार

डिजिटल अरेस्ट साइबर फ्रॉड मामले में 13 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) ने डिजिटल अरेस्ट साइबर धोखाधड़ी के एक बड़े मामले में 13 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। यह कार्रवाई उइक द्वारा संगठित अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराधों के खिलाफ संचालित विशेष अभियान ऑपरेशन चक्र-श के अंतर्गत की जा रही है। यह मामला उइक द्वारा स्वयं संज्ञान लेकर दर्ज किया गया था, जिसमें देशभर में सामने आए डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी के 10 गंभीर मामलों की व्यापक जांच की गई।

अक्टूबर 2025 में कई राज्यों में ताबड़तोड़ सर्च ऑपरेशन

CBI ने दिल्ली-NCR, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, केरल और पश्चिम बंगाल में समन्वित खोज अभियान चलाए। इन कार्रवाईयों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, कम्युनिकेशन लॉग, वित्तीय रिकॉर्ड और अन्य डिजिटल साक्ष्य बरामद किए गए। मिले साक्ष्यों के आधार पर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जो वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं।

15,000 से अधिक IP एड्रेस का विश्लेषण, अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन उजागर

जांच के दौरान उइकने लगभग 15,000 IP एड्रेस का विश्लेषण किया। तकनीकी जांच में पता चला कि पीड़ितों से वसूली गई राशि कई बैंक खातों के माध्यम से संचालित की जाती थी, जिनका नियंत्रण कम्बोडिया, हांगकांग और चीन में बैठे मास्टरमाइंड्स के पास था। विशाल तकनीकी डाटासेट में से भारत-आधारित क्ढ एड्रेस की पहचान कर घरेलू नेटवर्क पर कार्रवाई की गई।

म्यांमार स्थित स्लेव कैंप डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड का नया केंद्र

जांच में सामने आया कि म्यांमार और उसके आसपास संचालित स्लेव कम्पाउंड्स डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी के बड़े केंद्र बन चुके हैं, जहां भारतीय नागरिकों को मानव तस्करी कर साइबर अपराध चलाने के लिए मजबूर किया जाता है। यह जानकारी दक्षिण-पूर्व एशिया में साइबर-स्लं५ी१८ और संगठित डिजिटल शोषण नेटवर्क पर चल रही अन्य उइक जांचों से प्राप्त इनपुट से मेल खाती है।

CBI को वित्तीय प्रवाह, कॉल पैटर्न, VOIP रूटिंग, रिमोट-एक्सेस टूल्स के दुरुपयोग तथा इस वैश्विक धोखाधड़ी को संचालित करने वाले पूरे तकनीकी ढांचे से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। उइक मामले-दर-मामले प्रत्येक ऑपरेशनल मॉड्यूल को ध्वस्त करने की रणनीति पर काम कर रही है।

60 दिनों में चार्जशीट दाखिल, आगे की जांच जारी

एकत्र किए गए साक्ष्यों के आधार पर उइक ने 60 दिनों की वैधानिक अवधि के भीतर क्ढउ और क्ळ एक्ट की धाराओं के तहत 13 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। शेष सह-साजिशकताओं, फसिलिटेटर्स, मनी-म्यूल संचालकों तथा विदेश स्थित अपराध नेटवर्क की पहचान के लिए आगे की जांच जारी है।

राजस्थान की बावड़ियों का होगा संरक्षण; शिल्प ग्राम बनेगा लोक कलाओं का नया केंद्र

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन, कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान पर्यटन निरंतर नई उपलब्धियाँ अर्जित कर रहा है और विश्व पर्यटन मानचित्र पर अपनी पहचान को और सशक्त बना रहा है। पिछले दो वर्षों में मिली अभूतपूर्व सफलता ने प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई ऊँचाइयाँ दिलाई हैं।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप राजस्थान को भारत का अग्रणी पर्यटन राज्य बनाने के लिए प्रदेश की समृद्ध विरासत का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। इसी दिशा में पर्यटन और कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा प्रदेश की ऐतिहासिक बावड़ियों के संरक्षण हेतु व्यापक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

शासन सचिवालय में आयोजित पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव पर्यटन प्रवीण गुप्ता, आयुक्त रुक्मणी रियाड़ सहित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए उपमुख्यमंत्री ने सभी कार्यों को तेज गति से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जवाहर कला केंद्र, जयपुर स्थित शिल्प ग्राम को लोक कलाओं और लोक कलाकारों के संरक्षण तथा संवर्धन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जिससे प्रदेश की लोक संस्कृति को नई ऊर्जा और वैश्विक पहचान मिलेगी।

दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिक विकास यात्रा को साथ लेकर आगे बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश के पर्यटन स्थलों, ऐतिहासिक धरोहरों और लोक कलाओं के विकास से राज्य की पहचान और भी मजबूत होगी।

खबर संक्षेप

सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रमों की तैयारी की समीक्षा

अधिकारियों को अधीनस्थों के साथ बैठक कर समन्वय से कार्य पूर्ण करने के निर्देश

डूंगरपुर @ पदमावत मीडिया। जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में गुरुवार को ईडीपी सभागार में बैठक आयोजित की गई, जिसमें वर्तमान सरकार के

दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में प्रस्तावित विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में निर्धारित तिथियों के अनुसार आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की प्रगति पर चर्चा की गई। इसमें जागरूकता रथों की रवानगी, रूट चार्ट, प्रेस कॉन्फ्रेंस, सड़क सुरक्षा सप्ताह, श्रमदान एवं स्वच्छता कार्यक्रम, कचरा संग्रहण, स्वच्छता जागरूकता रैली, रंगोली व पेंटिंग प्रतियोगिताएं, रक्तदान शिविर, गौ सेवा शिविर, गौ पूजन, गौ रक्षक सभा, जिला स्तरीय प्रदर्शनी, कार्यालयों की साफ-सफाई, ग्रामीण सेवा फॉलोअप शिविर, महिला सम्मेलन, विकसित राजस्थान रन, युवा रोजगार दिवस तथा पर्यावरण संरक्षण अभियान जैसे प्रमुख आयोजनों की तैयारियों की जानकारी ली गई। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर दिनेश चंद्र धाकड़, उपायुक्त टीएडी सत्य प्रकाश कास्बा, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पहाड़िया सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

हैरिटेज सेल सक्रियता और प्रभावी निगरानी के साथ करे कार्य, ताकि संरक्षित रह सके विरासत

नगर निगम आयुक्त डॉ गौरव सैनी ने ली समीक्षा बैठक

जयपुर @ पदमावत मीडिया। नगर निगम जयपुर में गुरुवार को नगर निगम आयुक्त डॉ गौरव सैनी की अध्यक्षता में हैरिटेज सेल की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में

चारदीवारी क्षेत्र के संरक्षण, स्वरूप को बनाए रखने और इसके अंतर्गत चल रहे कार्यों की वर्तमान स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में उपायुक्त सतर्कता, अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक, एटीपी, डीडीपी, एठ, खएठ सहित विभिन्न अधिकारी उपस्थित रहे। आयुक्त डॉ गौरव सैनी ने हैरिटेज सेल को अधिक सक्रियता के साथ कार्य करते हुए परकोटा दीवार के शेष मरम्मत कार्य को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चारदीवारी क्षेत्र को यूनेस्को दर्जे के अनुरूप बनाए रखने के लिए सभी जोनों–किशनपोल, हवामहल, आमेर और आदर्श नगर–के अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा। आयुक्त ने हैरिटेज सेल, उपायुक्त विजिलेंस तथा संबंधित जोनों को अस्थायी अतिक्रमणों, अवैध निमार्णों तथा अवैध होर्डिंग, बैनर और पोस्टर पर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में किशनपोल और आदर्श नगर जोन में सीज भवनों से संबंधित की गई कार्रवाइयों की भी समीक्षा की गई। साथ ही आयुक्त ने सभी अधिकारियों को अवैध व अस्थायी अतिक्रमणों पर सख्त एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए। नगर निगम द्वारा संपन्न यह बैठक शहर की विरासत को सुरक्षित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

देवनानी ने विधायक शत्रुघ्न गौतम को बंधाया ढांढस

जयपुर @ पदमावत मीडिया। स्पीकर वासुदेव देवनानी गुरुवार शाम मालपुरा पहुँचे, जहाँ उन्होंने विधायक शत्रुघ्न गौतम के निवास पर जाकर उनके पिता नंदकिशोर गौतम के

निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने दिवंगत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। देवनानी ने विधायक शत्रुघ्न गौतम को ढांढस बंधाया और परिवारजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने दिवंगत की आत्मशांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य प्रदान करने की कामना की।

प्रवासी राजस्थानी दिवस के ऐतिहासिक आयोजन पर मुख्यमंत्री को बधाई

प्रदेश के विकास में बड़े साझेदार बन रहे प्रवासी राजस्थानी – निवेश को मिलेगी और गति

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि और चिकित्सा जैसे अनेक क्षेत्रों में तेज गति से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश की भौगोलिक विविधता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत इस विकास यात्रा को और मजबूत बनाती है। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानी प्रदेश के विकास में बड़े साझेदार के रूप में उभरकर सामने आए हैं और उनके योगदान से विकसित राजस्थान का संकल्प और सशक्त होगा।

मुख्यमंत्री गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में सूरत, लंदन, दुबई, सिंगापुर, कंपाला, टोक्यो, दोहा,

म्यूनिख, न्यूयॉर्क, भुवनेश्वर, नैरोबी, कोलकाता और दिल्ली चैप्टर्स के सदस्यों के साथ संवाद कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न चैप्टर्स के प्रतिनिधियों के साथ राज्य में किए जाने वाले निवेश प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य में निवेश के इच्छुक प्रवासियों को हर संभव सहायता दी जाए। उन्होंने सिंगल विंडो क्लीयरेंस प्रणाली के माध्यम से सभी निवेश प्रस्तावों पर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

प्रवासी राजस्थानियों के हित में लगातार सक्रिय सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों का अपने प्रदेश से जुड़ाव बना रहे, इसके लिए सरकार प्रतिबद्ध है। प्रथम प्रवासी राजस्थानी दिवस पर भव्य आयोजन इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रवासी राजस्थानियों के कल्याण के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी मामलात विभाग का गठन किया गया है और राज्य सरकार द्वारा प्रवासी राजस्थानी नीति भी लागू की गई है। राजस्थान फाउंडेशन के माध्यम से प्रवासियों के बीच समन्वय और सहयोग को मजबूत किया जा रहा है। हाल ही में राज्य सरकार ने राजस्थान फाउंडेशन के 14 नए चैप्टर्स की घोषणा की है, जिससे कुल चैप्टर्स की संख्या 40 तक पहुंच गई है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए राज्य सरकार ने प्राथमिकता से कार्य किया है। निवेशकों के लिए तैयार किया गया ह्यराजनिवेशह्न पोर्टल निवेश संबंधी प्रक्रियाओं को सरल और त्वरित बनाता है, जिसके माध्यम से निवेशक मिनटों में ई-रजिस्ट्रेशन कर अपने प्रोजेक्ट पर आगे बढ़ सकते हैं।

प्रदेश में निवेश बढ़ाने के लिए उत्सुक प्रवासी राजस्थानी

संवाद के दौरान देश-विदेश से आए चैप्टर्स के सदस्यों ने प्रथम प्रवासी राजस्थानी दिवस के सफल आयोजन के लिए मुख्यमंत्री को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस आयोजन ने दुनियाभर के प्रवासी राजस्थानियों को एक साझा मंच दिया है, जिसके माध्यम से वे प्रदेश के विकास में अपना योगदान और अधिक प्रभावी रूप से दे सकेंगे।

प्रतिनिधियों ने हॉस्पिटैलिटी एवं टूरिज्म, वैलनेस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल लिटरेसी, आईटी, महिला स्व-सुरक्षा प्रशिक्षण, फिल्म शूटिंग, विदेशी भाषाएं, स्किल डेवलपमेंट, ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग, मेडिसिन एवं हेल्थ इक्विपमेंट, मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की मंशा व्यक्त की। अधिकारियों ने निवेश संबंधी प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम में 13 एनआरआर चैप्टर्स के सदस्य तथा जाम्बिया, घाना और न्यूजीलैंड के प्रवासी राजस्थानियों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

उदयपुर में नि:शुल्क दस दिवसीय आयुर्वेद शल्य चिकित्सा शिविर का शुभारम्भ 14 दिसंबर को

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। आयुष मंत्रालय भारत सरकार के राष्ट्रीय आयुष मिशन के सहयोग से आयुर्वेद विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा उदयपुर में 14 दिसंबर से 23 दिसंबर तक दस दिवसीय निःशुल्क अंतरंग आयुर्वेद शल्य चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाएगा। यह शिविर सेवा भारती चिकित्सालय, हरिदास जी की मगरी, सुभाष चौराहा उदयपुर में आयोजित होगा, जिसमें पाइल्स, फिस्टुला और फिशर का उपचार आयुर्वेद की प्रामाणिक क्षारसूत्र पद्धति से निःशुल्क किया जाएगा। उपचार भर्ती रखकर किया जाएगा ताकि मरीजों को सुरक्षित व पूर्ण देखभाल उपलब्ध हो सके।

शिविर का उद्घाटन 14 दिसंबर प्रातः 11 बजे केबिनेट मंत्री बाबूलाल खराडी, सांसद डॉ मन्ना लाल रावत, विधायक ताराचंद जैन, राष्ट्रीय सेवा भारती प्रकाशन प्रमुख मूलचंद सोनी, जिला कलेक्टर नमित मेहता, अतिरिक्त निदेशक आयुर्वेद विभाग उदयपुर संभाग डॉ महेश कुमार गुप्ता तथा सेवा भारती प्रबंधक विवेक बोहरा की उपस्थिति में किया जाएगा।

आयुर्वेद विभाग उदयपुर के उपनिदेशक डॉ राजीव भट्ट ने बताया कि क्षारसूत्र शल्य चिकित्सा पाइल्स, फिस्टुला व फिशर के उपचार में अत्यंत प्रभावी पद्धति है, जिसका संचालन आयुर्वेद सर्जन द्वारा आधुनिक एनेस्थेसिया की सुविधा के साथ कराया जाएगा।

पंचकर्म एवं न्यूरोथेरेपी से पुराने दर्दों का समाधान

शिविर संयोजक डॉ शोभालाल औदिच्य ने बताया कि गठिया, जोड़ दर्द, कमर दर्द, सर्वाइकल, स्नायु-विकार, माइग्रेन तथा पुराने दर्दों के उपचार के लिए आयुर्वेद की प्रसिद्ध पंचकर्म चिकित्सा उपलब्ध रहेगी।

19 दिसंबर से कोटा के न्यूरोथेरेपिस्ट डॉ मनोज शर्मा एवं उनकी टीम द्वारा सायटिका, स्पोंडिलाइटिस, फ्रोजन शोल्डर, सर्वाइकल व नसों के दर्द का बिना दवा और बिना सर्जरी उपचार किया जाएगा। शिविर के संचालन में सेवा भारती चिकित्सालय उदयपुर के विवेक बोहरा, प्रकाश सोनी एवं पूरी टीम का सहयोग रहेगा।

अग्निकर्म से तुरंत राहत

जोड़ों, एड़ी के दर्द, टेनिस एल्बो व स्नायु रोगों में अग्निकर्म से त्वरित राहत देने वाली चिकित्सा भी उपलब्ध रहेगी, जिसका लाभ बड़ी संख्या में मरीज ले सकेंगे।

स्वर्ण प्राशन से बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि

6 माह से 16 वर्ष तक के बच्चों के लिए स्वर्ण प्राशन महाअभियान के तहत प्रतिदिन प्रातः 9 से दोपहर 2 बजे तक स्वर्ण प्राशन कराया जाएगा। इससे बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी और बार-बार होने वाली मौसमी बीमारियों से बचाव संभव होगा।

मौसमी रोगों से बचाव हेतु अमृत क्वाथ वितरण

सर्दी, जुकाम, खांसी और बुखार जैसे मौसमी संक्रमणों से बचाव के लिए पूरे दस दिनों तक शिविर स्थल पर अमृत क्वाथ का निःशुल्क वितरण किया जाएगा।

योग परामर्श एवं प्रकृति परीक्षण की सुविधा

शिविर में 15 दिसंबर से 23 दिसंबर तक योग विशेषज्ञों द्वारा रोगानुसार योग, प्राणायाम और आसनों का अभ्यास करवाया जाएगा। प्रकृति परीक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को खान-पान, दिनचर्या और जीवन शैली में सुधार के सुझाव दिए जाएंगे, जिससे वे दीर्घकाल तक स्वस्थ रह सकें।

तैयारियाँ पूर्ण, पोस्टर प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र

शिविर की सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। महिला और पुरुष मरीजों के लिए अलग-अलग वार्ड बनाए गए हैं। पंचकर्म हेतु शिरोधारा, स्वेदन व अग्निकर्म से संबंधित सभी व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई हैं। साथ ही रोगों से बचाव और स्वास्थ्य जागरूकता हेतु पोस्टर प्रदर्शनी भी लगाई गई है।

यह दस दिवसीय शिविर आयुर्वेद आधारित उपचारों के माध्यम से व्यापक जनसमूह को स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

राज्य सरकार की दूसरी वर्षगांठ पर भर्ती व्यवस्था में ऐतिहासिक सुधार

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में 92 हजार नियुक्तियां, 296 परीक्षाएं बिना पेपरलीक सम्पन्न

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर/उदयपुर। राज्य सरकार ने अपने दो वर्ष के कार्यकाल में भर्ती परीक्षाओं को पारदर्शी, सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने के लिए व्यापक सुधार किए हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर गठित एसआईटी (विशेष अनुसंधान दल) की सक्रियता ने भर्ती परीक्षाओं में पूर्व में होने वाली गड़बड़ियों पर न केवल प्रभावी रोकथाम की, बल्कि दोषियों पर कठोर कार्रवाई कर युवाओं का विश्वास भी मजबूत किया है। आज प्रदेश की परीक्षा प्रणाली पूर्णतः सुरक्षित दिशा में अग्रसर है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, एटीएस एवं एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि एसआईटी के गठन के बाद राजस्थान लोक सेवा आयोग, राजस्थान अधीनस्थ एवं मंत्रालयिक कर्मचारी चयन बोर्ड तथा अन्य भर्ती बोर्डों द्वारा 06 नवंबर 2025 तक कुल 296 परीक्षा आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुए और इनमें एक भी पेपर लीक नहीं हुआ। इसके साथ ही केंद्र सरकार तथा राज्य के विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित परीक्षाएं भी सुचारू रूप से सम्पन्न की गईं।

एसआईटी ने लौटाया परीक्षा प्रणाली में विश्वास

वर्तमान सरकार ने परीक्षा लीक गिरोहों व नकल माफिया पर निर्णायक प्रहार किया है। एसआईटी की सक्रियता ने परीक्षा सुरक्षा को नई पहचान दी है। 16 दिसंबर 2023 को गठित इस विशेष दल ने पेपरलीक के मामलों की त्वरित जांच, अपराधियों की गिरफ्तारी और कार्रवाई की गति को तेज किया, जिसके परिणामस्वरूप परीक्षा व्यवस्था में भरोसा पुनः स्थापित हुआ है।

138 एफआईआर दर्ज, 394 आरोपी गिरफ्तार

एसआईटी के गठन के बाद पुलिस थाना एसओजी ने डमी अभ्यर्थी, फर्जी डिग्री और भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं से जुड़े मामलों में 06 नवंबर 2025 तक कुल 138 एफआईआर दर्ज की हैं। इन प्रकरणों में अब तक 394 आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है, जो संगठित अपराधों के विरुद्ध प्रदेश की जीरो टॉलरेंस नीति का प्रमाण है।

हाई–प्रोफाइल मामलों में निर्णायक कार्रवाई

एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि एसआईटी ने एसआई भर्ती परीक्षाझ2021 में गड़बड़ी के आरोप में आरपीएससी के एक निलंबित सदस्य और एक पूर्व सदस्य को गिरफ्तार किया। इस मामले में कुल 132 आरोपी पकड़े गए, जिनमें 61 प्रशिक्षणरत उप निरीक्षक और 6 चयनित उप निरीक्षक शामिल थे।

इसके अतिरिक्त जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा-2018 में पेपर लीक के मुख्य आरोपी और टीसीएस के प्रोजेक्ट मैनेजर जगजीत सिंह को भी गिरफ्तार किया गया।

युवाओं के लिए समयबद्ध भर्ती–परीक्षा कैलेंडर से मिली राहत

सरकार ने युवाओं को लम्बे इंतजार से राहत देने के लिए आरपीएससी तथा आरएसएसबी द्वारा परीक्षा कैलेंडर व्यवस्था लागू की है। इससे युवा योजनाबद्ध तरीके से तैयारी कर पा रहे हैं और भर्ती प्रक्रिया समयबद्ध रूप से आगे बढ़ रही है।

92 हजार से अधिक नियुक्तियां, 1.53 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन

राज्य सरकार ने दो वर्षों में 92 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नियुक्तियां प्रदान की हैं। यह पहली बार हुआ है जब इतनी बड़ी संख्या में नियुक्तियां पूर्ण पारदर्शिता और सुरक्षित परीक्षा तंत्र के साथ प्रदान की गई हैं। साथ ही 1.53 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रिया वर्तमान में जारी है, जिससे आने वाले दिनों में और अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। राजस्थान सरकार के इन दो वर्षों में पारदर्शिता, सुशासन और युवाओं के भविष्य को सुदृढ़ बनाने की दिशा में भर्ती प्रणाली में हुए ये सुधार ऐतिहासिक माने जा रहे हैं।

उदयपुर में शनिवार को होगी अनूठी नाट्य प्रस्तुति गुगल कर ले रे...

अंतरिक्ष से लौटे भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला होंगे मुख्य अतिथि

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र से लौटने के बाद प्रथम भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला शनिवार को उदयपुर पहुंच रहे हैं। उनकी यह यात्रा इसलिए विशेष है क्योंकि वे यहां सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले नाटक गुगल कर ले रे... में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह आयोजन विद्याभवन स्कूल के मुक्ताकाशी रंगमंच पर शनिवार शाम आयोजित किया जाएगा।

विशेष बात यह है कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला केवल उपस्थिति ही नहीं दर्ज कराएंगे, बल्कि नाटक के एक हिस्से में स्वयं मंच पर उतरकर ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों का उत्साह भी बढ़ाएंगे। अंतरिक्ष से लौटे किसी भारतीय अंतरिक्ष यात्री का इस प्रकार बच्चों के बीच आकर कला, शिक्षा और विज्ञान के संगम को प्रोत्साहित करना उदयपुर के लिए गौरव का क्षण माना जा रहा है।

साहित्यकार कहानीवाला रजत मेघनानी द्वारा लिखित नाटक गुगल कर ले रे... का निर्देशन प्रयास संस्थान के सुनील टांक द्वारा किया जाएगा। सरकारी स्कूलों के बच्चे तथा कुछ कलाकार इसमें पहली बार रंगकर्मी के रूप में प्रस्तुति देंगे।

यह आयोजन शहर के कला जगत में सक्रिय संस्था क्रिएटिव सर्किल द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जिसमें आरएसएमएम, वंडर सीमेंट, नींव, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर और विद्याभवन सोसायटी का सहयोग प्राप्त हुआ है। कार्यक्रम संयोजक, स्केच आर्टिस्ट एवं प्रदेश के ख्यात आर्किटेक्ट सुनील एस. लड्ढा ने हाल ही में ग्रुप कैप्टन शुक्ला से मुलाकात कर इस विशेष आयोजन में सम्मिलित होने का आग्रह किया था।

इसमें राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय वरड़ा के विद्यार्थी नाटक की प्रस्तुति देंगे।

कार्यक्रम को लेकर तैयारियाँ जोर-शोर से जारी हैं और शहर में उत्साह का वातावरण है।

मध्यप्रदेश पुलिस की त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई

विदिशा, सागर और ग्वालियर में मासूमों की सकुशल बरामदगी, परिवारों में लौटी खुशियां

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस ने एक बार फिर त्वरित, प्रभावी और मानवीय संवेदना पर आधारित कार्रवाई का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। प्रदेश के तीन जिलों–विदिशा, ग्वालियर और सागर में अपहरण एवं गुमशुदगी से जुड़े तीन अहम मामलों में पुलिस ने तत्काल और संवेदनशील कार्यवाही करते हुए मासूमों को सुरक्षित दस्तयाब किया। दो मामलों में अपहृत बच्चों को रिकॉर्ड समय में बरामद कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि सागर जिले में 17 वर्ष से लापता युवती को उसके परिवार से मिलाने में पुलिस ने मानवीय पहल का अद्भुत परिचय दिया।

विदिशा–तीन वर्षीय बालिका 48 घंटे में सकुशल बरामद

थाना कोतवाली क्षेत्र में तीन वर्षीय बच्ची के अपहरण की सूचना पर पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन में ऑपरेशन मुस्कान के तहत 8 टीमों का गठन किया गया। इन टीमों ने 235 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले, 135 से अधिक लोगों से पूछताछ की और कई इलाकों में सघन तलाशी अभियान चलाया।

जांच में ऑटो चालक बृजेश कुशवाहा की भूमिका सामने आई, जिसके आधार पर पुलिस आरोपियों अर्जुन सिंह पाल, हरिबाई, रवि पाल और जितेंद्र पाल तक पहुंची। आरोपितों ने बच्ची को सौदे के उद्देश्य से अपहरण करना स्वीकार किया। पुलिस ने मासूम को सुरक्षित बरामद कर परिजनों को सौंपा।

ग्वालियर–डेढ़ वर्षीय रोहित सुरक्षित मिला, महिला ने बच्चा न होने पर उठाया था

थाना बहोड़ापुर क्षेत्र से डेढ़ वर्षीय रोहित के लापता होने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देशन में पुलिस टीम ने त्वरित खोजबीन शुरू की। सीसीटीवी फुटेज की जांच, मुखबिर तंत्र सक्रिय करने तथा सतत सर्च अभियान के बाद मुखबिर की सूचना पर नागदेवता मंदिर, ट्रांसपोर्ट नगर से एक महिला को पकड़ा गया जो बच्चे को लेकर घूम रही थी। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि बच्चा न होने के कारण वह बच्चे को ले गई थी। पुलिस ने बच्चे को सकुशल परिजनों को सौंपा।

सागर–17 वर्ष बाद गुमशुदा बालिका अपने परिवार से मिली

चौकी मंडीबामोरा क्षेत्र से 11 फरवरी 2008 को 10 वर्षीय बालिका लापता हुई थी। वर्षों तक तलाश के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिला। हाल ही में इंस्टाग्राम रील देखते समय उसे मंडीबामोरा रेलवे स्टेशन का नाम दिखाई दिया जिससे उसे अपना पैतृक स्थान याद आया और वह अपने पति के साथ पुलिस चौकी पहुंची। पुलिस ने संवेदनशीलता दिखाते हुए उसके परिवार को बुलाया। युवती शुरूआत में माता-पिता को पहचान नहीं पाई, लेकिन पिता ने उसके माथे पर पुराने घाव के निशान से बेटी को पहचान लिया। परिवार ने इस पुनर्मिलन को अपने जीवन का ह्लसबसे सुखद पलह्व बताया और पुलिस का आभार व्यक्त किया।

इन तीनों मामलों ने एक बार फिर सिद्ध किया है कि मध्यप्रदेश पुलिस न केवल अपनी दक्षता और तत्परता के लिए जानी जाती है, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के साथ समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता निभाने में भी अग्रणी है।

खबर संक्षेप

बाल विवाह रोकथाम के लिए छात्राओं ने ली शपथ

100 दिवसीय अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सलूम्बर @ पदमावत मीडिया। जिले के बस्सी झुंझावत गांव में बाल विवाह रोकथाम को लेकर छात्राओं ने शपथ ग्रहण की। 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के

अंतर्गत राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, बस्सी झुंझावत में आयोजित इस कार्यक्रम में महिला अधिकारिता विभाग की ब्लॉक सुपरवाइजर अंजली मेहता के निर्देशन में नर्वदा मेघवाल ने छात्राओं को बाल विवाह रोकथाम संबंधी शपथ दिलाई। कार्यक्रम के दौरान विभाग की ओर से छात्राओं को विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी भी दी गई, जिनमें मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना, लाडो योजना सहित बालिकाओं और महिलाओं के सशक्तिकरण से संबंधित प्रमुख पहलें शामिल थीं। इसके साथ ही विभाग द्वारा संचालित वन स्टॉप सेंटर एवं महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र की कार्यप्रणाली और उपलब्ध सेवाओं के बारे में भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई, ताकि छात्राएं जागरूक होकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में योगदान दे सकें।

उदयपुर शहर में ऑटो पर स्टिकर लगाने की पहल से यात्रियों की राह हुई आसान

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। शहर में दिनांक 04 अक्टूबर 2025 को यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के उद्देश्य से ऑटो वाहनों पर

अनिवार्य पहचान स्टिकर लगाने के अभियान का शुभारम्भ यातायात कार्यालय, दिल्ली दरवाजा के सामने किया गया। कार्यक्रम में शहर विधायक उदयपुर ताराचंद जैन, ग्रामीण विधायक उदयपुर फूलचंद मीणा, जिला कलक्टर, जिला पुलिस अधीक्षक सहित अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों और ऑटो यूनियनों के पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। इस पहल के तहत प्रत्येक ऑटो पर वाहन संख्या, वाहन स्वामी का नाम, मोबाइल नम्बर, चालक का नाम, मोबाइल नम्बर तथा हेल्पलाइन नम्बर वाला स्टिकर लगाए जाने की प्रक्रिया शुरू की गई। यातायात पुलिस द्वारा शुरू की गई इस मुहिम से उदयपुर शहर में आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों को बड़ी सुविधा मिली है। स्टिकर के माध्यम से यात्रियों को ऑटो से संबंधित सभी जानकारी आसानी से उपलब्ध हो रही है, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है और खोया-पाया सामान मिलने के मामलों में भी सुधार हुआ है। इससे ऑटो चालकों के प्रति यात्रियों का भरोसा मजबूत हुआ है। गृहिणियों और आमजन में भी सुरक्षा की भावना विकसित हुई है, जिसके चलते अधिकतर महिलाएँ अब ऑटो चालकों के मोबाइल नंबर सुरक्षित रखने लगी हैं, जिससे किसी भी समय ऑटो बुलाने, मेहमानों को भेजने या सामान एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने में आसानी हो रही है। स्टिकर लगे ऑटो वाहनों के चालक और वाहन स्वामियों का सत्यापन भी साथ-साथ किया जा रहा है, जिससे उन्हें हर समय दस्तावेज साथ रखने की परेशानी से राहत मिल रही है। पर्यटकों ने भी इस पहल को अत्यंत सराहनीय बताया है और इसे सुरक्षित व सुविधाजनक यात्रा की दिशा में बड़ा कदम माना है। यातायात पुलिस उदयपुर द्वारा अब तक लगभग 2710 ऑटो पर स्टिकर लगाए जा चुके हैं। जिन ऑटो पर स्टिकर लगना शेष है, उन संचालकों से अपील है कि वे शीघ्र यातायात शाखा से संपर्क कर आवश्यक जानकारी उपलब्ध करवाते हुए स्टिकर लगवा लें, ताकि वर्षांत में शहर में आने वाले बड़ी संख्या के पर्यटकों को बेहतर सुविधा मिल सके। दिसम्बर माह के अन्त तक स्टिकर नहीं लगवाने वाले ऑटो चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत परमिट शर्तों के उल्लंघन की कार्यवाही की जाएगी।

ऑनलाइन जुए के नाम पर धोखाधड़ी करने वाली कंपनी प्रोबो मीडिया टेक्नोलॉजीज पर बड़ी कार्रवाई

ईडी ने 117.41 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्तियां की अंतरिम जब्ती

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

गुरुग्राम। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) गुरुग्राम जोनल कार्यालय ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कार्रवाई करते हुए प्रोबो मीडिया टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड और कंपनी के निदेशकों के परिजनों की कुल 117.41 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्तियों को अंतरिम रूप से अटैच किया है। जब्त की गई संपत्तियों में कंपनी के नाम से एफडी, शेयर निवेश, डिमांड ड्राफ्ट, बैंक बैलेंस

सहित निदेशकों के परिवारजनों के नाम से खरीदे गए फ्लैट और अपार्टमेंट शामिल हैं। यह कंपनी ځ्ढ१ड्ढड्ढर नाम से ऐप और वेबसाइट संचालित करती थी, जो ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर ऑनलाइन जुआ संचालित करने का प्लेटफॉर्म था।

ईडीने अपनी जांच कई एफआईआर के आधार पर शुरू की, जो बीएनएस 2023 की धाराओं एवं पब्लिक गैंबलिंग एक्ट 1867 के तहत गुरुग्राम, पलवल (हरियाणा) और आगरा (उत्तर प्रदेश) में दर्ज की गई थीं। एफआईआर में शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि कंपनी ने सरल 'हाँ या ना' सवालों के जरिए पैसे कमाने का लालच देकर धोखा दिया, जबकि वास्तव में यह प्लेटफॉर्म जुए को बढ़ावा देता था।

जांच में सामने आया कि प्रोबो मीडिया टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड ने खुद को कौशल आधारित गेमिंग प्लेटफॉर्म बताकर उपयोगकर्ताओं को भ्रमित किया, जबकि असल में यह ऑनलाइन जुए का संचालन कर रही थी। इस धोखाधड़ी के जरिए कंपनी और उसके निदेशकों/प्रवर्तकों ने अवैध रूप से लगभग 1245.64 करोड़ रुपये की ह्यअपराध की आयह्न अर्जित की। ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने वाले ह्यप्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग एक्ट 2025 के लागू होने के बाद अगस्त 2025 में प्रोबो ने अपना संचालन बंद कर दिया था।

इससे पहले 8 और 9 जुलाई 2025 को ईडी ने प्रोबो मीडिया टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड तथा उसके प्रवर्तकों के ठिकानों पर पीएमएलए, 2002 के तहत तलाशी अभियान चलाया था। तलाशी के दौरान 284.5 करोड़ रुपये के फिक्स्ड डिपॉजिट और शेयर निवेश को धारा 17(1)(ं) के तहत फ्रीज किया गया था। ईडी ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है।

70 गाँवों में गूंजा जागरूकता का संदेश: विशाखा संस्था ने मनाया हिंसा रोकथाम पखवाड़ा

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

सलूंबर। महिलाओं और लड़कियों के प्रति हिंसा रोकथाम का संदेश जनझजन तक पहुँचाने के लिए विशाखा संस्था द्वारा 25 नवंबर से 10 दिसंबर 2025 तक 70 गाँवों में हिंसा रोकथाम पखवाड़ा आयोजित किया गया। पखवाड़े के दौरान संस्था के कार्यकताओं, महिला समूहों, युवा समूहों तथा हिंसा रोकथाम के लिए समर्पित सदस्यों ने गांवझगांव जाकर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया।

नुक्कड़ नाटक, नारा लेखन, गीतझसंकल्प और जागरूकता रैली के माध्यम से घरेलू हिंसा, लैंगिक भेदभाव, बाल विवाह, छेड़छाड़ और सामाजिक चुप्पी जैसे मुद्दों पर खुलकर चर्चा की गई। कई गांवों में युवाओं ने संदेश दिया कि हिंसा को रोकना हम सबकी जिम्मेदारी है। ग्रामीण महिलाओं और किशोरियों ने भी हिंसा की पहचान, सहयोग के रास्ते और

विरोध की रणनीतियों पर खुलकर संवाद किया। कई स्थानों पर पहली बार लोगों ने हिंसा के छिपे पहलुओं पर सवाल उठाए और जागरूकता के महत्व को समझा।

झल्लारा में भव्य रैली के साथ पखवाड़े का समापन

पखवाड़े का समापन झल्लारा ब्लॉक मुख्यालय पर आयोजित भव्य रैली के साथ हुआ। रैली में लगभग 150 युवतियाँ, युवा, महिलाएँ, पुरुष और संस्था के कार्यकर्ता शामिल हुए। हाथों में बैनर और नारों के साथ निकली रैली ने पूरे क्षेत्र में जागरूकता का नया वातावरण बनाया और हिंसा रोकथाम के संदेश को व्यापक स्तर पर फैलाया।

नुक्कड़ नाटक, नारे, गीत और रैली के जरिए महिलाओं युवाओं ने दिया संदेश–हिंसा अब नहीं सहना

एक–दूसरे का साथ देंगे, हिंसा का विरोध करेंगे–संकल्प के साथ अभियान पूरा

समापन सत्र में प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए। कई युवतियों ने बताया कि इस अभियान ने उन्हें पहली बार अपने अधिकारों और सुरक्षा उपायों को समझने का अवसर दिया। कार्यक्रम का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि सभी सहभागी एक-दूसरे का साथ देंगे, हिंसा का विरोध करेंगे और समाज में जागरूकता फैलाने के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे। यह अभियान ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की दिशा में एक प्रभावी सामाजिक पहल सिद्ध हुआ है।

पंद्रह दिवसीय राज्य स्तरीय सड़क सुरक्षा अभियान शुरू

सलूंबर में वाहन चालकों को हेलमेट–सीट बेल्ट के लिए दिए चॉकलेट, सुरक्षित ड्राइविंग का संदेश

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

सलूंबर। प्रदेश में 15 दिवसीय सड़क सुरक्षा अभियान गुरुवार से प्रारंभ हो गया। अभियान के तहत जिला परिवहन एवं सड़क सुरक्षा कार्यालय सलूंबर की ओर से जिला मुख्यालय के मुख्य मार्ग, बस स्टैंड, आरटीओ कार्यालय के बाहर तथा अन्य प्रमुख स्थानों पर जागरूकता गतिविधियों की शुरूआत की गई। अभियान के प्रथम दिन वाहन चालकों को दोपहिया वाहन पर हेलमेट लगाने तथा चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट के उपयोग के लिए चॉकलेट देकर प्रेरित किया गया। साथ ही वाहन चालकों को निर्धारित सीमा गति में ही वाहन चलाने, गलत ओवरटेक नहीं करने और शराब सेवन कर वाहन न चलाने की हिदायत प्रेमपूर्वक दी गई।

यात्री वाहनों के चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए सवारियों को सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाने तथा जिम्मेदार चालक का कर्तव्य निभाने के लिए जागरूक किया गया।

अभियान की गतिविधियों के दौरान जिला परिवहन अधिकारी विपिन माहेश्वरी और परिवहन निरीक्षक हितेश कटारा उपस्थित रहे। जिला परिवहन अधिकारी माहेश्वरी ने बताया कि सड़क सुरक्षा अभियान 25 दिसंबर तक निरंतर चलेगा। अभियान के अंतर्गत 13 दिसंबर को मुख्यालय पर ऑटो रैली भी आयोजित की जाएगी, जो तहसील कार्यालय से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए पुनः तहसील कार्यालय पर संपन्न होगी। अभियान का उद्देश्य जनभागीदारी के माध्यम से सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

राजीविका और मंजरी फाउंडेशन के बीच एमओयू हस्ताक्षरित

महिला–संचालित ग्रामीण उद्यमों के सशक्तिकरण को मिलेगा नया आयाम

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) और मंजरी फाउंडेशन के बीच गुरुवार को एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया गया। यह साझेदारी ग्रामीण क्षेत्रों में महिला-संचालित उद्यमों को अधिक सक्षम, संगठित और बाजार-उन्मुख बनाने की दिशा में एक

महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अतिरिक्त मुख्य सचिव, ग्रामीण विकास विभाग श्रेया गुहा ने की। राजीविका की स्टेट मिशन डायरेक्टर नेहा गिरि तथा मंजरी फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक संजय कुमार ने एमओयू पर हस्ताक्षर कर दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया। इस अवसर पर राजीविका की परियोजना निदेशक (प्रशासन) प्रीति सिंह, स्टेट प्रोजेक्ट मैनेजर्स तथा दोनों संस्थाओं के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मंजरी फाउंडेशन द्वारा प्रस्तुत सहयोग मॉडल के तहत महिला-संचालित उद्यमों को संस्थागत विकास, नेतृत्व क्षमता, उत्पादन गुणवत्ता, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, डिजिटल मार्केटिंग, बाजार संपर्क और विभिन्न अनुपालनों से संबंधित उन्नत प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह प्रशिक्षण ग्रामीण उद्यमों को प्रतिस्पर्धी बनाने, उनकी बाजार पहुँच बढ़ाने तथा एक मजबूत व्यावसायिक पहचान स्थापित करने में सहायक होगा।

एमओयू के तहत राज्यभर से 10 से 12 उद्यमों का चयन कर पाँच वर्षों की चरणबद्ध प्रशिक्षण श्रृंखला, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और बाजार-उन्मुख रणनीतियों के माध्यम से सुदृढ़ किया जाएगा। इस पहल से उत्पादन क्षमता, ब्रांड पहचान और बिक्री वृद्धि में उल्लेखनीय सुधार की अपेक्षा की जा रही है।

राजीविका और मंजरी फाउंडेशन का यह सहयोग राजस्थान की ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर, सक्षम और भविष्य-तैयार उद्यमी बनाने की दिशा में एक अहम परिवर्तनकारी कदम साबित होगा।

सशक्तिकरण की ओर कदम: बस्सी की छात्राओं को पुलिस ने प्रशिक्षण

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देश पर कम्युनिटी पुलिसिंग के तहत युवाओं और पुलिस के बीच संवाद को मजबूत बनाने के उद्देश्य से गुरुवार 11 दिसम्बर को गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बस्सी में आत्मरक्षा एवं साइबर सुरक्षा पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह पहल छात्राओं को जागरूक, आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाने की दिशा में पुलिस विभाग का

महत्वपूर्ण कदम है।

कार्यक्रम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कम्युनिटी पुलिसिंग सुनीता मीणा के नेतृत्व में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण सत्र में कालिका पेट्रोलिंग यूनिट की मास्टर ट्रेनर लाजवंती सुशीला एवं अन्य प्रशिक्षकों ने छात्राओं को विभिन्न आत्मरक्षा तकनीकों का व्यावहारिक प्रदर्शन कर बताया कि आपात स्थिति में स्वयं की सुरक्षा कैसे की जाए। इन तकनीकों को सीखकर छात्राओं में आत्मविश्वास का संचार हुआ और उन्होंने प्रशिक्षण की सराहना की।

सत्र के दौरान छात्राओं को राजकॉप सिटीजन ऐप सहित विभिन्न महत्वपूर्ण हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी गई। महिलाओं से संबंधित कानूनी प्रावधानों, सुरक्षा अधिकारों तथा आवश्यक सतर्कता उपायों के बारे में भी विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम का प्रमुख हिस्सा साइबर सुरक्षा पर केंद्रित रहा, जिसमें ऑनलाइन फ्रॉड, साइबर स्टॉकिंग, साइबर बुलिंग और डिजिटल सुरक्षित व्यवहार के बारे में छात्राओं को महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया गया।

इस प्रशिक्षण को छात्राओं से अत्यंत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। उनका कहना था कि ऐसे कार्यक्रम न केवल उन्हें जागरूक बनाते हैं, बल्कि आत्मरक्षा और डिजिटल सुरक्षा की समझ भी विकसित करते हैं। राजस्थान पुलिस की यह कम्युनिटी पुलिसिंग पहल युवाओं को सुरक्षित, सजग और सक्षम नागरिक बनाने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास सिद्ध हो रही है।

पुलिस थाना झाड़ोल की बड़ी कार्रवाई

अपहरण व मारपीट के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। जिले में अपहरण और मारपीट की संगीन वारदात को अंजाम देकर तीन माह से फरार चल रहे आरोपियों को पुलिस थाना झाड़ोल ने तकनीकी विश्लेषण व मुखबिर तंत्र की मदद से गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की। कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल के मार्गदर्शन तथा वृताधिकारी झाड़ोल विवेक सिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी फेलीराम मीणा के नेतृत्व में की गई।

मामला 10 अगस्त 2025 का है, जब प्रार्थी गोविंद सिंह निवासी गादड़ी थाना बाघपुरा को एक अज्ञात कॉल करने वाले व्यक्ति ने विवाद के बाद बातचीत हेतु झाड़ोल सोनी पेट्रोल पंप पर बुलाया। प्रार्थी अपने साथियों राजवीर सिंह, भीम सिंह और महेंद्र सिंह के साथ वहां पहुंचा ही था कि ईको कार (फ्ख 27 उ्ठ 4089) में सवार गजेन्द्र सिंह, हिम्मत सिंह, रिछपाल सिंह, हरि सिंह सहित अन्य लोगों ने बातचीत के बहाने प्रार्थी को साइड में ले जाकर आंखों में मिर्च डालकर लाठी-तलवार से हमला कर दिया। इसके बाद प्रार्थी और उसके साथी राजवीर को जबरन कार में डालकर बिरोठी ले जाकर पुनः

मारपीट की गई और देर रात पानरवा क्षेत्र में छोड़कर आरोपी फरार हो गए।

घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना झाड़ोल में प्रकरण संख्या 148/2025 धारा 115(2), 126(2), 140(2), 189(2) भारतीय न्याय संहिता में दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। आरोपी तीन माह से विभिन्न स्थान बदलकर फरार चल रहे थे। निरंतर तकनीकी निगरानी और मुखबिर सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने आखिरकार मुख्य आरोपियों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपी – हरी सिंह पिता प्रेम सिंह निवासी आजरोली खाम थाना पानरवा जिला उदयपुर, हिम्मत सिंह पिता लाल सिंह निवासी सुरीमाला थाना पानरवा जिला उदयपुर, करण सिंह पिता धुल सिंह निवासी आजरोली खाम थाना पानरवा जिला उदयपुर। तीनों आरोपियों से पूछताछ जारी है तथा प्रकरण का अनुसंधान प्रगति पर है। इस कार्रवाई में थानाधिकारी फेलीराम मीणा, सहायक उप निरीक्षक जगदीश कुमार मीणा, कांस्टेबल बालकृष्ण, जितेंद्र गवारिया, यशवंत सिंह, मदनलाल और भूराराम शामिल थे।

राज्य सरकार की दूसरी वर्षगांठ

मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में नवाचार दिवस स्टार्टअप्स कॉन्क्लेव का आयोजन आज

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर। राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में शुक्रवार, 12 दिसंबर को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में नवाचार दिवस स्टार्टअप्स कॉन्क्लेव आयोजित होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे। कॉन्क्लेव में 333 चयनित स्टार्टअप्स को कुल 10.79 करोड़ रुपये की फंडिंग प्रदान की जाएगी।

इस आयोजन का मुख्य आकर्षण स्टार्टअप प्रदर्शनी होगी, जिसमें युवा उद्यमी अपने अभिनव उत्पाद और सेवाएं प्रदर्शित करेंगे। सफल स्टार्टअप संस्थापक अपने अनुभव साझा करेंगे। इसी अवसर पर राजस्थान डिजिफेस्ट हैकाथॉन का शुभारंभ भी किया जाएगा। कार्यक्रम में सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ भी सहभागी होंगे।

आईस्टार्ट से युवा उद्यमियों को नई दिशा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार नवाचार को बढ़ावा देने और स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूती देने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। पिछले दो वर्षों में आईस्टार्ट के माध्यम से बड़ी संख्या में स्टार्टअप्स को मेंटरिंग, प्रोत्साहन और फंडिंग उपलब्ध कराई गई है। इसके परिणामस्वरूप राजस्थान तेजी से देश के प्रमुख स्टार्टअप हब के रूप में उभर रहा है। नवाचार दिवस युवा उद्यमियों में नई ऊर्जा और विश्वास का संचार करेगा तथा यह संदेश भी देगा कि राजस्थान अब नवाचार और स्टार्टअप का अग्रणी प्रदेश है।

मुख्यमंत्री दिखाएंगे 50 विकास रथों को हरी झंडी

प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचेगी आमजन तक मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को हरिश्चंद्र माथुर राजस्थान लोक प्रशासन संस्थान से 50 विकास रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। ये रथ सभी विधानसभा क्षेत्रों में राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, दो वर्षों की उपलब्धियों और नीतिगत सुधारों की जानकारी ऑडियो-वीडियो माध्यमों से आमजन तक पहुँचाएंगे।

इन रथों के माध्यम से राज्य सरकार के दो वर्षों के सफल कार्यकाल, क्रियान्वित योजनाओं, आधारभूत संरचना विकास, शिक्षाझस्वास्थ्य सुधार, महिला एवं युवा सशक्तिकरण, कृषि उन्नयन, औद्योगिक प्रगति, सामाजिक सुरक्षा तंत्र और सुशासन से जुड़े प्रमुख आयामों पर प्रकाश डाला जाएगा।

यह कार्यक्रम उपलब्धियों को जन-जन तक पहुँचाने के साथ-साथ सरकार और जनता के बीच उत्तरदायी संवाद को और अधिक सुदृढ़ बनाता है। विकास रथों की यह यात्रा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जन-जागरूकता उत्पन्न करेगी तथा विभिन्न योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएगी।

स्वत्वाधिकारी, संस्थापक, प्रकाशक एवं प्रधान सम्पादक : **पवन मॉंगीलाल जैन उर्फ पवन जैन पदमावत, प्रधान कार्यालय** : गणेश नगर, कांदिवली वेस्ट, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत – 400067 से अमुद्रित ऑनलाईन प्रकाशित। **मो. नं.** : +91-95945-42679
e-mail :- padmavatmedia@gmail.com / Web : padmavatmedia.in (नोट : पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुम्बई, महाराष्ट्र होगा। उक्त ई-पेपर को अवैध रूप से छपवाना कानूनी अपराध हैं।